B.A. (Hons. in Tibetan) Examination, 2022

Indo-Tibetan Studies, Bhasha-Bhavana, Visva-Bharati

Cultural History of Tibet (Later Spread of Buddhism in Tibet)

Semester-IV

(CBCS)

Paper/ CC-: 08

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

Questions are of value as indicated in the margin.

विषयः वाष्यवः इत्रे विवा विश्वयः द्यी दिः दे स्वयः व्यवः वाष्यः वाष्टः दुः द्या व्यव्यः विषा धेव गुर्न ग इति स है न न न न स्राम्य प्रमान में मान देवट्यतिवा हो दट्या हो तया हो त्या मुख्या पार्युका या या त्या हो या पार्व ट्या या

Section- A

5X3=15

गेरे गा.इ.यथ.वाट.३८.२.व.इर.जय.चेथा

- 1. ह्राह्म्यात्रह्म्अावाशुअःचेत्राःयादाःयादाःयादाःयादाःयादाःया
- 2. अपवर श्चें पः केंद्राः कुत्रः वाद्युः व्रतानः यादः धीतः । वाद्यायाः नेः चीत्रा
- 3. गार्ह्मवाबदानसुकान्त्रीय द्वीयाचार्श्वेत्राचनदान्याचाराध्येत्रायेनसाचारा
- 4. ਨਵਲਾਨ੍ਰਾਨ੍ਕਾੜਲਾਗ੍ਰਲਾਕੇ ਕਾਰ੍ਹਾਨਨ ਗੁੰਕਾਬੁੱਤ ਹਾਪੀਕਾਬੁੰਕਾ
- 5. याञ्चाप्तारार्धे द्वयाप्युयासुरस्य देविया
- 6. દ્યું તા ક્રું આ માર્ચ આ ગામ ગામ આ કે આ
- 7. वायट पटे पहेवाय वायुम वाट धेव म केंद्र पर दीया
- 8. इ.ल्य.ख्य.चध्य.ध्रं.ध्रं.प्रं.प्रं

Section-B

3X5 = 15

र्र चर्याय.पचित्र.ट्ट.चर्डेच.पचित्र.ची.भूर.णुवाबातर.हाबा

म् वायानाञ्चकाः द्वेतः अन्ताना वायाना वायान

वर्षेत्रः ताक्तः स्टरः स्टरः चर्षेत्रः वाल्चेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्याः विद्य

म् जैबाटबा.लुट्.बार्षेत्रा.बुं.अब्.स्बाटवा.य.सर्वे.यट.बुं.य.चर्वे.य.चर्वे.य.चर्वे.यावायविट.वेट्.त.लुय.ब.चंनाय.वेव्रा

Section- C

3X10=30

(४) ब्राक्क्षाम्बद्धाः अन्तर्सुः ह्वाम्माहाः ध्रेत्रः अन्तरः ह्वा

भ्र अर.थु.रेबोय.वोश्वेश.बी.थह्र. क्षेत्र.यहेय.खेवी.ह्यूया

र्/ यमाय. त्रकीट. कु. त्रांबु. कीट. त्यकीट. ट्ट. वे. रू. कूथा टीवा. ईश्वरा व्यां रुशा श. प्रधिता त्यर ह्येश

ो ट्रं ग्री.क्ष्य.जीवाय.कुर्य.त्.पधु.वाट.लुय.थया था.श्ली.लाट.य.टेवो.जीवाय.क्ष्य.टाक्नैट.ग्री.शूर.क्र्या.घीट. र्-डीया

B.A. (Honours) Examinations, 2022 Semester- IV Indo-Tibetan Studies Paper- CC -09 (Indigenous Tibetan Literature)

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

Questions are of value as indicated in the margin.

यम्बस्यान्यवाद्भैत्यः इस्रम्यः वस्यान् स्तुदः सूर्यः वस्यान् स्तुस्य

5x12=60

१ राज्ञुःयेवायान्वित्रःश्चीःयर्द्रायां स्युःयेवाद्वया देवे इस्यावरःश्चीदावसूयाःविवाद्वया

२) योवायायर चत्त्र प्राप्ते के के कि स्वाप्त क्षा क्षा का त्या का त्या का त्या के का त्या के का त्या के त्या के विकास का त्या के त्या के विकास के त्या के त

- खेश.तयु.कुर्याश.यश्चर.यदुयु.द्रेश.यग्रेजायाश्चर,युंशा। राज्ञायपु.कुर.योश.रीया.श्चर.सैंजा विश्वर.तम्भेश.ग्री.पि.धश.शुरी। इ प्रिश.रच.र्जश.तपु.ध्रेश.त.रेया विश्वर.यम्भेश.ग्री.सिंश.त्रश्ची।
- दशक्र्यकानकर्नात्त्रे, स्वीत्र सीट ह्या ति स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वस
- ड्रेक्षं क्रांचर क्रेंट स्वांचे प्रक्रिया क्रेंच्या व्याप्त क्रांचर क्रेंच्या स्वाप्त क्रेंट स्वांच्या क्रांचर क्रिया क्रया क्रिया क्र
- द्वीत्रः भूत्रः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वतः

B.A. (Honours) Examination, 2022 Semester - IV Indo-Tibetan Studies CC-10

(Buddhist Logical Text)

Time: 3 Hours

Questions are of value as indicated in the margin.

ग्रे वित्राचार्या द्वारा इस्त्राच्या वर्षा वर्षा

10X3 = 30

Full Marks: 60

्रे | चर्यान्तर्व्हेर्यास्य क्राप्त्राच्यायत्य प्रविद्यो यक्षर् १९४ क्रीयायार्स्य प्रद्यान्य विद्यार्थी स्त्रा

रो इंदासके भ्रेंच द्रित हेत् से स्वित्र मान्य दिन हैं अपना वार सुर विवा वी अपन दर सके छद वा वुर वी से वा वर्ते द हैं वा मुक्ताराह्य प्रति प्रश्नुव प्रति पु पाराह्म हुंवा क्र्रीर पुरा

३ रे मिं हेना पर्वे जारा राह्य श्रीय मी अर्थ के रेटर हो पाने प्रविश्व हो पार्स सुन्त अर्थ से के रावश्य प्रवास है या

त्र्राधते द्वारा देवा प्रते वाल्या वाल्या

भ्रे क्विंदेवाची नृद्धे:वावनुक्वां निर्माट प्येक्षक्षा वित्वां देशे क्षेत्र निर्माट प्येवा प्रकास क्षेत्र क्षेत्र

७) दर यदे इर मबिर रेश मेशीर अ.त. किर से प्रैचें यः बुश तद रूर्य मेशत वर द्वीया

मि विम्वयान्यवाहेनानियाः श्रुत् ह्यायाः श्री अत् रेत्रा निवास

10X2 = 20

रे र रायुः इर साह्या तत्र याति साधिका ग्रीस इर सीका

२) ह्विदियाची पृष्ठी याचासुरुष्याचार प्रदासार प्येदादुरुष्

३ / ह्वॅ देवावी दर्शे चाविक्षायाद दर याद प्येत त्रम

्रे इंद्रसम्बद्धाः स्वाप्तान्त्रम् की अर्द्द्रपार्थे सुप्तीद्वात्रम्

भो क्रियाद्ग्यावश्चेताश्चीसर्दर्यायेवे सर्वत्राह्येका

७ विन्ती सर्दे शुस्रामी सर्वे हैन देशा

vे ताबुवारा वहेंद्र दवद अर्दे द्राष्ट्री अर्ढद् हेंद्र हैंचा

र्ने भर्मे सर्दे सुर क्षेत्रकी दुवे यात्रिस मार दर मार भेर दस

e र्रायः र्यतः स्टास्यायात् वात्रः वीत्रहें द्वावार्रे वं वारः धेरः र्या

२० विश्वीयाज्ञ स्त्रीत्यात्यायस्य स्त्रीया

यो विषयावायवाहूवा वोद्यः श्रदः इस्यायायमानः दुरः स्वेदः स्रदः द्वितः स्रदः द्विता

मार्वे समार्थे हेरा हेरा हु सम्बद्ध स्थापी सम्बद्ध समार्थे सम्बद्ध समार्थे हैं समार्थे हैं

ट्रो इंट्र स्टेर्ड्स हो ह्रेंबाया को इंट्र सेंब च्चेंड्स हो बाह्य केंबाय चुंस्ट्रेंब को समुद्र यदे हुँबाया

B.A. (Honours) Examination, 2022 Semester – IV (CBCS) Indo-Tibetan Studies Skill Enhancing Compulsory Course: SECC-2

Mind Training Text (Based on Buddhism)

Time: 2 Hours

.

Questions are of value as indicated in the margin.

में यिषेत्राचार्यात्र द्वार्यस्थात्राचार देर वार्षेत्रातात्राचे या

2XY=2Y

Full Marks: 25

३ / क्र्याक्रीक्रियाका सं प्रवर्ग प्रायक्ष स्ट ह्यें र व्यर्ग स्वर स्वर स्वर प्रवर्ग प्रवर्ग हो या हो का हो हो का हो हो का है का है

च्रे हे.यर्थ्य अ.तफ्.क्वी.र्थेश.वम.श्रीट.यर्जेश.क्षेया.सुरा

भ्रे हे. पर्वेष अत्ति क्रीया यह ते. ताय लेया प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत

७ विष्यः तत्त्विः चला क्षी यान्याया ने हि स्वर चुटा हुतान्दर ने विष्ठे क्षा महत्त्वि संवे ने बायाया न स्वर्था

य र्रे यिष्मायोषाया हु.च. इस्रमाया ताया वियाषाया हुना

2XY=20

२) क्रमा ग्री क्रियामा सायहर या वर्र सार्थ र स्त्रीय सायहर त्र स्वर महत्र स्त्रीय

२ रे केंग्र क्रीक्रेयायासु परुद्दायदे अर्देर खेतु दूर क्रेयाया परुद्दार्थिय दुः परि

३) क्रूय ग्री क्रूय या सामक्ष्य प्राप्त स्था स्थ्र में स्थ्र मासुरा संग्वा मित्र सासुरा मास्या

चेत् वेदःसःचवेद्वसःक्षुःमद्रस्यायःदेर्धम्यस्योदस्यायःचीरुःक्षुःसःसुरःम्**यु**दरुःसःयोद्रदस्य

~ ो (लेब सम्बे द्वार लेब सम्बन्धः सम्बन्यः सम्बन्धः सम्बन्